Ad

VISION IAS

www.visionias.in

20 JUL 2022

SUBJECT:	Essay	**Test Code:**	2 1 2 1
Name of Candidate	राजकेश मीणा		
Medium Hindi/Eng.	हिंदी	**Registration Number**	6 0 7 6 6
Center	मुखर्जी नगर	**Date**	2 0 0 7 2 2

INDEX TABLE

Q. No.	Page No.	Maximum Marks	Marks Obtained

Total Marks Obtained:

Remarks :

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
4. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
6. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

VisionIAS

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp. Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VisionIAS

SECTION - A

(4) जब हम किसी स्थिति को बदलने में सक्षम नहीं होते हैं, तो हमारे समक्ष स्वयं को बदलने की चुनौती होती है।

× ×

"जब मैं छोटा बच्चा था तब सोचता था कि एक दिन बड़ा होकर इस संसार को बदल दूंगा। जब मैं थोड़ा बड़ा हुआ और मेरी समझ बढ़ी, तब सोचने लगा कि संसार बदलना तो बहुत मुश्किल है ~~और मुझे~~ मैं अपने देश (समाज) को बदल दूंगा। जैसे जैसे बड़ा हुआ तो मुझे समझ आया कि बदलने की जरूरत संसार, देश या समाज की नहीं थी, जरूरत थी तो मुझे अपने आपको बदलने की थी। ताकि जो परिवर्तन मैं विश्व में लाना चाहता था वह पहले मेरे द्वारा अपनाकर लोगों के सामने आदर्श उदाहरण पेश करता, हो सकता है कि मुझे देखकर समाज, देश या संसार बदल जाता।" उपरोक्त वर्णित कथन की तार्किकता को यह उदाहरण सही ढंग से पुष्ट करता है कि स्थिति को बदलने में सक्षम नहीं है तो जरूरत है चुनौतियों का सामना करके स्वयं को बदल लें।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अब आगे हम क्षेत्रवार अध्ययन करे तो पायेंगे कि हम हर जगह स्थिति को बदलने में सक्षम नहीं हो सकते तो हमारे समक्ष स्वयं को बदलने की चुनौती होती है। उदाहरण के लिए भारतीय क्रिकेटर श्रेयस अय्यर लंबे समय से क्रिकेट के मैदान पर बाउंस बॉल पर पुल शॉट खेलने में संघर्ष कर रहे थे और वे अपनी स्थिति को लंबे समय से बदलने में असक्षम थे क्योंकि खेल नैतिकता एवं स्पोर्टसमैनशिप के चलते वे विपक्षी दल के बॉलर को ऐसा करने से रोक तो नहीं सकते थे क्योंकि बाउंस बॉल एक नियंत्रित सीमा तक क्रिकेट के खेल में अनुमेय है। अंततः श्रेयस अय्यर ने स्थिति ने स्थिति का समाधान खोजने के लिए निरंतर बाउंस बॉल पर अभ्यास करके कठिन परिश्रम के बलबूते इस स्थिति से निजात पाया और आज वे पुल शॉट खेलने से कतई नहीं कतराते। अतः अय्यर ने स्वयं को बदलकर इस चुनौतीपूर्ण स्थिति को बदलने में सक्षम हुए।

एक अन्य उदाहरण जिससे हम इस स्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकते है। बढ़ते औद्योगीकरण जलवायु परिवर्तन एवं वैश्विक तापन की स्थिति को बदलने में वैश्विक समुदाय द्वारा पेरिस समझौते

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के बावजूद हम इस पर्यावरण संकट को बदलने में अभी भी सक्षम नहीं है। अतः समाधान के लिए विभिन्न संस्थाओं जैसे IUCN, UNEP, UNDP, WEF और विश्व बैंक ने अपने-अपने स्तर पर मरुस्थलीकरण को रोकने के लिए कार्यक्रम, वनीकरण को बढ़ावा देने (REDD कार्यक्रम) जैसे अनेक कार्यक्रम संचालित कर रही है। साथ ही समान किन्तु विभेदित उत्तरदायित्व (CBDR), प्रदूषणकर्ता भुगतान करेगा (Polluters Pay) जैसे सिद्धांत उभरकर आये है जो प्रत्येक देश पर बदलने के लिए नैतिक जवाबदेही उत्पन्न करते है और स्वयं को बदलने की चुनौती उत्पन्न करते है।

अब निजी जीवन में भी इस कथन का महत्व ढूंढ सकते है जब व्यक्ति किसी परीक्षा को सफल नहीं पाता या किसी व्यापार, व्यवसाय, नौकरी पेशा में सफल नहीं हो पाता है तो वह इस स्थिति में या तो स्वयं को बदलने के लिए दुबारा कठोर परिश्रम करेगा जिससे असफलता की स्थिति को बदल सके और सफल बन सके या ~~पलायनवादी~~ पलायनवादी मानसिकता अपनाकर जीवन पर कुंठा में घुटता रहेगा। यह स्थिति अधिक चुनौतिपूर्ण है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः आवश्यकता है कि असफलता की स्थिति से निकलने के लिए कठोर परिश्रम द्वारा प्रयास तो करने ही चाहिए लेकिन किसी एक विशेष सफलता / असफलता को ही प्रामाणिक जीवन का आधार नहीं बनाना चाहिए। और निर्वासित मुक्त जीवन की बजाय 'जीने की चाह' से परिपूर्ण ~~प्रोत्साहित~~ जीवन जीने के लिए संघर्ष ~~करना~~ युक्त आशावादी जीवन जीना चाहिए।

गांधीजी द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन में "संघर्ष – विराम-संघर्ष" की रणनीति को अपनाने के पीछे की स्थिति में यह कथन अधिक प्रासंगिक बैठता है। गांधीजी अंग्रेजों के सामने असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान अपनी स्थिति को बदलने में सक्षम नहीं थे क्योंकि जनता संघर्ष के साधन 'सत्य', 'अहिंसा एवं 'सत्याग्रह' से पूर्णतः परिचित नहीं हुई थी। अतः उन्होंने जनता की इस स्थिति को बदलने के ~~लिए~~ लिए आंदोलनों पर 'विराम' लगाया और जनता को अधिक संगठित करके नए राजनीतिक मूल्यों से ओतप्रोत कर 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 'करो या

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मरो' की रणनीति के माध्यम से स्वयं की स्थिति को बदलने की चुनौती को स्वीकारा और परिणामस्वरूप कुछ समय बाद 1947 में अंग्रेजों से भारत को आजादी मिल गई। अतः स्पष्ट होता है कि शुरुआती चरण में गांधीजी देश की स्थिति बदलने में सक्षम नहीं थे तो उन्होंने पहले देश को बदलने की चुनौती को स्वीकारा और जनता को नये मूल्यों से ओतप्रेत किया और अंततः सफल हुए।

राजा राम मोहनराय को सती प्रथा के विरुद्ध शुरुआती संघर्ष में काफी कम सफलता मिली। बाद में उन्होंने अपनी रणनीति में बदलाव किया और विभिन्न संगठनों, समाचार पत्रों के माध्यम से इस कुरीति के विरुद्ध समाज के प्रगतिशील लोगों को एकजुट किया। अंततः इस बदली रणनीति की बदौलत 1829 में सरकार ने इस अमानवीय प्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया।

भूगोल के संदर्भ में हम इस कथन को देखे तो पायेंगे कि भूकंप, चक्रवात, सूखा,

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बाढ़, बादल फटना आदि जैसी स्थिति को बदलने में तो सक्षम नहीं होते, पर इन स्थितियों पर नियंत्रण पाने के लिए विभिन्न क्षमता निर्माण उपाय, चेतावनी प्रणाली, तकनीकी प्रोन्नती आदि विकसित करके इन चुनौतियों से निपटने के उपाय करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि हम स्थिति को बदलने में सक्षम नहीं होते तो विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए हमे बदलना पड़ता है।

भारतीय संविधान में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को जमीनी स्तर पर विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक उपायों के बाद भी न पहुँच पाने एवं राजनीतिक जागरूकता के अभाव को दूर करने के लिए संविधान के विधायिका के माध्यम से स्वयं में बदलाव की चुनौती को स्वीकारा और 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से नीति-निर्देशक तत्वों के अनुच्छेद 40 के तहत लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को जमीनी स्तर तक पहुँचाया। क्योंकि पुरानी व्यवस्था स्थिति को बदलने में सक्षम नहीं थी

शासन के क्षेत्र में नित नये परिवर्तन जैसे शासन → सुशासन → ई-शासन → नैतिक शासन की ओर बदलाव स्थितियों के अनुकूल शासन व्यवस्था में बदलाव को इंगित करता है। क्योंकि इससे कल्याणकारी राज्य में शासन की सेवाओं को बढ़ावा मिलता है।

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत की आयात प्रतिस्थापन एवं अंतर्मुखी अर्थव्यवस्था की स्थिति 1991 के भुगतान संतुलन संकट के सामने समाधान में सक्षम नहीं थी। अतः नीति निर्माताओं ने LPG नीति अपनाकर अर्थव्यवस्था को बहिर्मुखी रूख दिया। एवं इस स्थिति में भिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ा, पर यह स्थिति विकास के लिए जरूरी था।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई खोजे विभिन्न स्थितियों के समाधान को ध्यान में रखकर ही की जाती है जैसे AI, IOT, बिग डाटा एनालेटिक्स आदि। सुरक्षा के क्षेत्र में नये साइबर कानून एवं नियम वर्तमान चुनौतियों से स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए बनाए जाते हो क्योंकि चुनौतियाँ हमें बदलने के लिए स्वयं को प्रोत्साहित करती है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि आजादी के बाद विभिन्न मुद्दों पर भारत सरकार विभिन्न स्थितियों यथा उत्तर-पूर्व में अलगाववादी आंदोलन, पंजाब में खालिस्तानी आंदोलन, बंगाल एवं दक्षिण में भाषायी आंदोलन आदि के समय सरकार किसी भी स्थिति को बदलने में सक्षम नहीं थी तो उसने स्वयं को बदला और इन स्थितियों के प्रति स्वयं को बदलने की चुनौती के रूप में इनके साथ विभिन्न समझौते किए और स्थिति को बदला। पंचशील नीति एवं गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण के बावजूद चीन के प्रति वर्तमान में स्पष्ट लक्ष्य बदलता दृष्टिकोण इस कथन को अभिपुष्ट करता है।

—x—x—

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) जहाँ बल विफल होता है वहाँ विनम्र अनुनय सफल हो जाता है।

मौर्यकाल में सम्राट अशोक अपने राज्य विस्तार के लिए निरंतर बल प्रयोग कर छोटे राज्यों का अधिग्रहण कर रहे थे फिर भी उनका साम्राज्य भारत के ही कुछ हिस्सों तक सीमित था। कलिंग युद्ध के बाद सम्राट अशोक का हिंसा से मोहभंग होने के बाद अहिंसा को बढ़ावा देने के लिए सहिष्णुता, सर्वसमावेशिता, धर्मनिरपेक्षता पर आधारित धम्म की नीति का प्रतिपादन किया। धम्म की नीति के चलते ही सम्राट अशोक के राज्य की ख्याति देश ही नहीं विदेश में भी फैली। इस नीति के चलते ही उनके राज्य की भौगोलिक सीमा का विस्तार नहीं हो

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पाया लेकिन उनके व्यक्तित्व का प्रभाव उनके समय के अन्य साम्राज्यों के साथ मौर्यों के संबंधों को सुधारने में कारगर साबित हुआ। इसके चलते उन्हें व्यापार, ~~व्यापार~~ वाणिज्य क्षेत्रों में अनेक आर्थिक ~~राजनीतिक~~ लाभ हुए। धम्म की नीति अनुनय विनय पर ही आधारित थी जो बल प्रयोग की तुलना में अधिक सफल हुई।

आगे हम इतिहास के कुछ उदाहरणों से इस कथन को विस्तार से समझ सकते हैं। मुगल साम्राज्य ~~नीति~~ ~~सम्राट~~ मेवाड़ के गुहिल राजवंश के प्रति हमेशा मेवाड़ के अधिग्रहण को लेकर बल प्रयोग करता रहा लेकिन उन्हें कभी सफलता नहीं मिली। अंततः जहाँगीर और शाहजहाँ के कार्यकाल में मुगलों के परिवर्तित रुख ने ~~के~~ दोनों पक्षों को अनुनय विनय आधारित समझौते कराने में सफलता हासिल हुई और मुगल साम्राज्य के लिए एक बड़ी दुश्मनी

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मिटाने में सफलता मिली।

गांधीजी के ट्रस्टशिप सिद्धांत से प्रेरित होकर विनोबा भावे ने भूमि के समतापूर्ण वितरण के माध्यम से सामाजिक विषमता को कम करने के लिए भूदान एवं ग्रामदान आंदोलन चलाया। जिसको राज्य सरकारों के विभिन्न कानूनों की अपेक्षा अधिक सफलता मिली। अतः यह सफलता बल की बजाय अनुनय की नीति की महत्ता को उजागर करती है।

गांधीजी द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वदेशी के प्रयोग को लेकर चलाये गए आंदोलन हो या अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम हो या खादी के प्रयोग को बढ़ावा देता हो या नमक को आंदोलन की मूलभूत वस्तु के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के रूप में अपनाना हो, वे सभी अनुनय की नीति की वजह से ही सफल हुए हैं न कि बल प्रयोग की वजह से।

गांधीजी द्वारा 1942 के आंदोलन के दौरान भारतीय जनता को 'करो या मरो' की अनुनयपूर्ण अभिव्यक्ति का प्रभाव अंग्रेजों की आंदोलन को दबाने की हिंसक बल प्रयोग की नीति के सामने अधिक सफल हुआ। जो बल के सामने अनुनय की महत्ता को उजागर करता है।

कानूनों का बाह्य दबाव विनम्र अनुनय के सामने विफल ही होता है।

स्वच्छ भारत मिशन की 2015 में शुरुआत से पहले भारत सरकार ने स्वच्छता के प्रावधानों को बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम एवं नीतियों की शुरुआत की लेकिन असली सफलता

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्तमान सरकार के स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ पर मनाये जाने वाले अमृत महोत्सव तक गांधीजी के स्वच्छता के सपने को साकार करने का आह्वान कर विभिन्न अनुनय विनय रणनीति द्वारा स्वच्छता के आयामों पर काफी सफलता प्राप्त हुई है।

भ्रूण हत्या, बाल विवाह, सतीप्रथा, आदि जैसी कुरीतियों को खत्म करने के लिए सरकार ने काफी समय पहले ही कानून बना दिये थे लेकिन इन्हे काफी कम सफलता मिली थी। विभिन्न NGOs, स्वयंसेवी संगठनों एवं प्रगतिशील समाजसेवियों द्वारा समाज में इन विषयों पर जागरूकता आंदोलन चला करके अनुनय रणनीति के माध्यम से इन प्रथाओं को खत्म करने में काफी सफलता हासिल की है। हालांकि इन क्षेत्रों में अभी और भी कार्य करना बाकी है। अतः यहाँ बल के स्थान पर अनुनय की रणनीति काफी सफल हुई है।

सरकार Covid-19 महामारी के दौरान विभिन्न आपदा राहत कोषों में मदद का आह्वान करने की अनुनय की नीति

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

काफी सफल साबित हुई। बेटी-बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रम महिला साक्षरता को बढ़ावा देने में काफी सफल हुए हैं। इनकी सफलता में सरकार के विभिन्न विनय अनुनय अभियान और जागरूकता कार्यक्रमों की महती भूमिका है।

आपातकाल के समय जब जनसंख्या नियंत्रण के लिए जबरन नसबंदी कार्यक्रम लागू किया था जिसमें बल प्रयोग का भी सहारा लिया था इस कार्यक्रम को काफी कम सफलता मिली क्योंकि इसमें बल प्रयोग का सहारा लिया गया था। आपातकाल के बाद विभिन्न सरकारों ने निरोध इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाए जिसमें अनुनय का सहारा लिया गया और जनसंख्या नियंत्रण में इससे काफी सहायता मिली है।

सरकार ने धूम्रपान, शराब आदि पर नियंत्रण लगाने के लिए काफी प्रयास किए हैं लेकिन कानूनों के दबाव का इनके नियंत्रण का नगण्य प्रभाव पड़ा है। जरूरत है कि अब हमें इनके

दुष्प्रभावों के बारे में विभिन्न मंचों, नुक्कड़ नाटकों, टी वी कार्यक्रमों आदि के माध्यम जागरूकता बढ़ाकर मानव पूंजी की हानि को कम किया जा सकता है। इसके लिए बल प्रयोग की बजाय अनुनय की नीति अधिक सफल होगी

इलास्टिक पर नियंत्रण के लिए हो या पराली दहन को रोकना हो बल प्रयोग से ज्यादा विभिन्न NGOs के माध्यम से जागरूकता सृजन करके अनुनय पूर्वक अनुरोध से ही इस समस्या से निजात पाया जा सकता है।

अफगानिस्तान, म्यांमार में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन एवं शरणार्थी संकट के समाधान में विभिन्न देशों द्वारा बल प्रयोग के स्थान पर दोनों देशों के साथ संवाद करके अनुनय विनय के आधार पर ही स्थिति को संभाला जा सकता है। यूक्रेन - रूस युद्ध के समाधान में भी रूस के अनुनय की नीति कारगर साबित हो सकती है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खैर इन तथ्य के बावजूद कभी-कभी अनुनय की नीति सफल नहीं होती है तो बल प्रयोग करना ही पड़ता है, जैसे

अमेरिका में दास प्रथा को समाप्त करने के लिए अब्राहम लिंकन द्वारा नीतिगत बल प्रयोग का सहारा लिया क्योंकि दक्षिणी राज्यों में इसका अत्यधिक विरोध हो रहा था।

अफ्रीका के कई देशों में गृह युद्धों को समाप्त करने में बल प्रयोग जरूरी है;

प्लास्टिक के प्रयोग पर नियंत्रण के कई अनुनय पूर्ण प्रयासों की विफलता की स्थिति में बल प्रयोग जैसे जुर्माना आदि लगाना; द्वितीय विश्व युद्ध से पूर्व जर्मनी द्वारा राष्ट्र संघ एवं मित्र राष्ट्रों से वर्साय की संधि के प्रावधानों में ढील देने के लिए अनुनय किया था लेकिन मित्र राष्ट्र इसे नकारते रहे, अंततः जर्मनी को हथियार उठाने एवं प्रथम विश्व युद्ध का बदला लेने के लिए बाध्य किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निष्कर्षत हम कह सकते हैं बल प्रयोग का सहारा विषम परिस्थितियों में ही लिया जाना चाहिए, जहाँ संभव हो शांतिपूर्ण तरीके से अनुनय विनय की नीति का ही सहारा लेना चाहिए। क्योंकि कहीं की भी अशांति विश्व की शांति के लिए खतरा है। वैश्विक तापन, पर्यावरण संकट, उग्रवाद, शरणार्थी समस्या, आतंकवाद, नक्सलवाद, अलगाववाद, इस्लामिक आदि का समाधान अनुनय से ही संभव है न कि बल प्रयोग से।

—x—x—

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

[illegible] में गांधीजी की सलाह बिना हथियार युद्ध करने

अशोक → धम्म → युद्ध

मुगल → मेवाड़ → वंश के प्रति बाद

अंग्रेज – मुगलों के प्रति

Afghanistan / Mayamar

ईसाई मिशनरी प्रचारक – [illegible]

सरकार की नीति – आपातकाल के बाद जबरन नसबंदी → विरोध जागरूकता [illegible]

BBBP

SBM

आपदा कोष में पैसे जमा कराने का आह्वान

भूदान आंदोलन

ग्रामदान आंदोलन

ट्रस्टीशिप सिद्धांत

भारत – बांग्लादेश – भूमि [illegible] समझौता

Soft power और economic power

कानूनों का बाध्य दबाव और अंतरात्मा का दबाव

अंग्रेजों का दमन विफल – गांधीजी का करो या मरो का आह्वान भारतीय जनता को जागृत

विरोधी उदा. – दलित प्रथा, अस्पृश्यता, [illegible], लोकतांत्रिक प्रयोग, सार्वजनिक [illegible], [illegible], हिंसा आह्वान

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जब हम किसी स्थिति को बदलने में सक्षम नहीं होते है, तो हमारे समक्ष स्वयं को बदलने की चुनौती होती है

→ प्रोत्साहन का अभाव, संसाधनात्मक विसंगति

श्रेयस अय्यर – पुल शॉट / छोटी गेंद वाली स्थिति खिलाफ में लिखे

कथन → "जीवन भर सोचता रहा कि मैं बड़ा होकर ---- (बचपन में अच्छा था ----)"

✓ पर्यावरण (असंतुलन) → जलवायु परिवर्तन → पेरिस समझौता → CBDR, Polluter pays सिद्धांत

गांधीजी का कथन → "प्रकृति हमारी ---"

✓ जीवन में विफलता (परीक्षा, निजी जीवन, व्यापार, व्यवसाय, नौकरी पेशा etc) → पलायनवादी हो जाते हैं, निरंतर संघर्ष → या फिर आशावादी

✓ गांधीजी → राष्ट्रीय आंदोलन < संघर्ष – विराम – संघर्ष की नीति = अंततः सफलता; आलोचना

✓ राजा राम मोहनराय – सती प्रथा, बाल विवाह के विरुद्ध संघर्ष

✓ भौगोलिक परिप्रेक्ष्य – भूकंप < भूकंप रोधी इमारत निर्माण; संसाधन क्षमता ↑

✓ राजनीतिक – संविधान (P.P) लोककल्याणकारी – DPSP – बेगार निषेध – PRI का गठन; प्रावधानों में संशोधन

CRPC – समलैंगिकता, Adultery

✓ शासन – gov → good-gov. → e-gov → mobile gov.

✓ IR – भारत का चीन के प्रति दृष्टिकोण (पहले पंचशील – फिर 1962 और अब और ...)

✓ Economy – अंतर्मुखी – बहिर्मुखी LPG / अनौपचारिक → औपचारिक

✓ S&T – AI, VR, AR, BDA, IOT, CASTMG, Blockchain technology

✓ Security → CDBMS, New cyber law, North east insurgency → (समझौते)

✓ ethics → पंचायत निर्णय (खाप पंचायत) → व्यक्तिगत स्वतंत्रता एवं लोकतंत्रीकरण

VisionIAS